आर.एन.आई. पंजीयन क्र. 39596/82 ( डाक पंजीयन MP/IDC/1462/2016-2019 )

साप्ताहिक

# मालव अँचल

वर्ष 47 अंक 15 (प्रति रविवार) इंदौर, 31 दिसंबर 2023 से 06 जनवरी 2024 पृष्ठ-8 मूल्य 3 रुपये

# प्रदेश में बदले जाएंगे 35 कलेक्टर, 32 एसपी!

## 4 संभागायुक्त, पुलिस आयुक्त, रेंज आईजी समेत वरिष्ठ अफसरों की होगी जमावट

**भोपाल।** *प्रदेश की मोहन सरकार नए सिरे से प्रशासनिक जमावट करने जा रही है। इसमें 35 जिलों के कलेक्टर, 30 से ज्यादा पुलिस अधीक्षक, 4 संभागायुक्त, रेंज आईजी, भोपाल-इंदौर के पुलिस आयुक्त बदले जा सकते हैं। इसके अलावा मंत्रालय एवं विभागाध्यक्ष कार्यालयों प्रमुखों को भी बदले जाना है। इसको लेकर मंत्रालय स्तर पर बड़ी तैयारी हो चुकी है। मु यमंत्री की सहमति के बाद तबादला सूची कभी भी जारी हो सकती हैं। संभवतः अफसरों का तबादलो के सिलसिला जल्द जारी हो सकता है।*

मंत्रालय सूत्रों के अनुसार अफसरों की सूची पर मु यमंत्री की अंतिम मुहर नहीं लगी है। बताया गया

कि पिछले एक ह ते से सामान्य प्रशासन विभाग (कार्मिक) में देर रात तक नई प्रशासनिक जमावट को लेकर बेहद गोपनीय ढंग से काम चला है। तबादला सूची एक साथ न आकर टुकड़ों में भी आ सकती हैं। शासन ने 40 से ज्यादा कलेक्टरों को बदलने की तैयारी की, जिनमें से 6 जिले बैतूल, उज्जैन, होशंगाबाद, नरसिंहपुर, शाजापुर और गुना कलेक्टर बदले जा चुके हैं। इनमें 3 को मंत्रालय बुलाया है, जबकि 3 को दूसरे जिले का कलेक्टर बनाया दिया है। तबादलों में देरी की वजह राजनीतिक चर्चा को बताया जा रहा है।

इन जिलों में बदले जा सकते हैं कलेक्टर-नई प्रशासनिक जमावट में चारों बड़े जिले इंदौर, भोपाल, ग्वालियर, जबलपुर के कलेक्टर भी बदले जा सकते हैं। साथ ही शहडोल, पन्ना, भिंड, शिवपुरी, श्योपुर, छिंदवाड़ा, विदिशा, नीमच, सीहोर, सतना, रीवा, बड़वानी, सागर, रायसेन, सिंगरौली, धार, हरदा, खंडवा, राजगढ़, छतरपुर, बालाघाट, डिंडौरी, कटनी, सीधी, निवाड़ी, देवास, मुरैना, नरसिंहपुर, बुरहानपुर, अलीराजपुर जिले भी प्रभावित हो सकते हैं।

### संभागायुक्त भी बदलेंगे

संभागायुक्त में इंदौर, भोपाल, ग्वालियर, जबलपुर, रीवा, सागर बदले जा सकते हैं। भोपाल संभागायुक्त पवन शर्मा प्रमुख सचिव बन चुके हैं। उन्हें मंत्रालय में बड़ी जि मेदारी भी दी जा सकती है। उन्हें मजबूत पृष्ठभूमि वाले अधिकारियों में गिना जाता है।

### पुलिस में भी बड़ा बदलाव

पुलिस महकमे में भी बड़े बदलाव पर मंथन हो चुका है। जिसमें पुलिस मु यालय में वरिष्ठ अधिकारियों की अदला बदली होगी। इंदौर, भोपाल पुलिस आयुक्त बदले जाना हैं। साथ ही रेंज आईजी एवं डीआईजी भी प्रभावित होंगे। 30 से ज्यादा जिलों के एसपी बदले जाने की तैयारी हैं। यह सं या ज्यादा भी हो समती है।

## पीएम मोदी की सेवा में लगी हुई हैं ममता, कांग्रेस से गठबंधन नहीं चाहती-अधीर रंजन

कोलकाता। इंडिया गठबंधन' में सीट शेयरिंग को लेकर जारी कवायद के बीच फिर पार्टियों के बीच मनमुटाव सामने आ गया हैं। लोकसभा चुनाव को लेकर सीट शेयरिंग को लेकर कांग्रेस और ममता बनर्जी की टीएमसी आमने-सामने आ गई है। पश्चिम बंगाल में कांग्रेस अध्यक्ष अधीर चौधरी ने ममता बनर्जी पर हमला बोलकर कहा है कि वह अभी पीएम मोदी की सेवा में लगी हुई हैं। अधीर रंजन ने आरोप लगाया कि ममता कांग्रेस के साथ गठबंधन नहीं करना चाहती हैं। इतना ही नहीं उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी लोकसभा चुनाव में अपने दम पर भी चुनाव लड़ सकती हैं। अधीर रंजन चौधरी ने कहा, उनसे कौन भीख मांगने गया पता नहीं.. ममता खुद कह रही हैं कि हम गठबंधन कर चुनाव लड़ने को तैयार हैं। हमें उनकी दया की जरूरत नहीं है। हम अपने दम पर कुछ भी कर सकते हैं। ममता खुद नहीं चाहती कि गठबंधन हो क्योंकि अगर गठबंधन नहीं होता है, तब सबसे ज्यादा खुशी पीएम मोदी को होगी और ममता बनर्जी आज पीएम मोदी की सेवा में लगी हुई हैं। दरअसल कांग्रेस नेता अधीर रंजन ने यह टिप्पणी तब की, जब उनसे तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) द्वारा आगामी लोकसभा चुनाव के लिए बंगाल में कांग्रेस को दो सीटों की पेशकश के बारे में पूछा गया। सूत्रों का दावा है कि ममता चाहती है कि सीट शेयरिंग पर फाइनल कॉल का हक उनकी पार्टी को दिया जाए। बता दें कि इससे पहले कांग्रेस की पश्चिम बंगाल इकाई के अध्यक्ष अधीर रंजन चौधरी ने दावा किया था कि राज्य की सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस के वरिष्ठ एवं युवा नेताओं के बीच जारी ''मनमुटाव'' की पटकथा भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने लिखी है। उन्होंने आरोप लगाया कि आगामी दिनों में भाजपा तृणमूल कांग्रेस के महासचिव अभिषेक बनर्जी को पश्चिम बंगाल के अगले मुख्यमंत्री के तौर पर पेश कर सकती है।

## ईडी के सामने पेश नहीं होने वाले तेजस्वी यादव

**पटना।** बिहार की राजधानी पटना से बड़ी खबर आ रही है। दरअसल फिर तेजस्वी यादव ईडी के समक्ष नहीं पेश होने वाले हैं। दरअसल लैंड फॉर जॉब मामले में ईडी ने तेजस्वी को 5 दिसंबर को पूछताछ के लिए दिल्ली के ईडी कार्यालय में बुलाया था। दरअसल जांच एजेंसी ईडी जमीन के बदले नौकरी देने के फर्जीवाड़ा और मनी लॉन्ड्रिंग मामले में इन दोनों आरोपियों से पूछताछ करना चाहती है। हालांकि लालू प्रसाद यादव और तेजस्वी यादव सहित लालू परिवार के कई सदस्यों से पहले भी जांच एजेंसी के द्वारा पूछताछ की जा चुकी है। लेकिन, पिछले कुछ दिनों पहले कुछ इसतरह के आरोपियों का बयान दर्ज हुआ है जो लालू परिवार के बेहद करीबी हैं। और उसके द्वारा

## सीएम रेड्डी की बहन वायएस शर्मिला पार्टी सहित कांग्रेस में हुई शामिल

**नई दिल्ली।** आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री वाईएस जगनमोहन रेड्डी की बहन वाईएस शर्मिला अपनी पार्टी सहित कांग्रेस में शामिल हो गई हैं। कांग्रेस के लिए लोकसभा चुनाव 2024 से पहले इसे बड़ा तोहफा बताया जा रहा है। मिली जानकारी के अनुसार आंध्र प्रदेश के सीएम वाईएस जगन मोहन रेड्डी की बहन वाईएस शर्मिला ने गुरुवार को नई दिल्ली में पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और पूर्व पार्टी प्रमुख राहुल गांधी की उपस्थिति में कांग्रेस का दामन थाम लिया है। उन्होंने अपनी सबसे पुरानी पार्टी वाईएसआर तेलंगाना कांग्रेस के विलय की भी घोषणा की और कहा कि उन्हें जो भी जिम्मेदारी दी जाएगी, वह उसे जरुर पूरा करेंगी। इस दौरान राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में कांग्रेस मुख्यालय में पार्टी कार्यकर्ताओं और समर्थकों को संबोधित करते हुए वाईएस शर्मिला ने राजनीतिक ताकतों के एकजुट होने पर खुशी व्यक्त की। कांग्रेस में शामिल होने के बाद उन्होंने कहा कि आज मैं वाईएसआर तेलंगाना पार्टी का कांग्रेस पार्टी में विलय करके बहुत खुश हूं। मुझे बहुत खुशी हो रही है कि वाईएसआर तेलंगाना पार्टी आज से भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का हिस्सा बनने जा रही है।शर्मीला ने यह भी कहा कि राहुल गांधी को प्रधानमंत्री के रूप में देखना उनके पिता का सपना था और उन्हें इसमें योगदान देकर बेहद खुशी होगी। माना जा रहा है कि तेलंगाना और कर्नाटक में मिली सफलता के बाद कांग्रेस ने आंध्र प्रदेश में अपनी पूरी ताकत झोंक दी है। इस विलय को एक रणनीतिक कदम के रूप में देखा जा रहा है, जिसका उद्देश्य तेलंगाना में कांग्रेस पार्टी को मजबूत करना और आगामी राज्य चुनावों से पहले एक संयुक्त मोर्चा बनाना है। गौरतलब है कि हाल ही में तेलंगाना में हुए विधानसभा चुनाव के दौरान वाईएस शर्मिला ने लगातार कांग्रेस पार्टी को अपना समर्थन दिया था।

# संपादकीय

## सड़क पर गाड़ी चलाना सबसे बड़ा जोखिम

भारत की सरकार ने अंग्रेजों के बनाए गए कानून को खत्म कर, भारतीय न्याय संहिता के नाम से नया कानून तैयार कर लागू किया है। अंग्रेजों के जमाने का कानून लगभग डेढ़ सौ साल चला। उसमें सभी की जिम्मेदारी तय थी। लेकिन अब जो कानून भारत सरकार ने भारतीयों के लिए बनाया है। वह 1 दिन भी चलता हुआ नहीं दिख रहा है। कानून के विरोध में वाहन चालक बे-मियादि हड़ताल पर चले गए हैं। 1 जनवरी से लागू हुए कानून में वाहन चलाते समय एक्सीडेंट हुआ,और किसी की मौत हो गई। ऐसी स्थिति में कम से कम 5 साल की सजा वाहन चालक को होना तय है। साथ में 7 लाख रुपए तक का जुर्माना भी लगना तय है। गलती चाहे किसी की हो, सजा उस समय जो व्यक्ति वाहन चला रहा होगा, उसे सजा मिलना तय है। इसके साथ ही लाखों रुपए का जुर्माना भी भरना पड़ेगा। भारत सरकार ने जो नया कानून लागू किया है। उसमें यदि मरने वाले की गलती या किसी अन्य कारण से एक्सीडेंट हुआ है। यह प्रमाणित हो जाने पर भी चालक को 5 लाख का जुर्माना अदा करना ही पड़ेगा। यदि वाहन चालक की लापरवाही से एक्सीडेंट हुआ है,तो उसे कम से कम 104 (1) में 7 साल की सजा होना तय है। कोई भी वाहन चालक जल्दबाजी में या किसी लापरवाही के कारण एक्सीडेंट करेगा। किसी व्यक्ति की मृत्यु हो जाएगी ऐसी स्थिति में न्यूनतम 7 साल की सजा का प्रावधान है। न्याय संहिता की धारा 104(2) में कहा गया है। एक्सीडेंट होने के बाद यदि मौके से वाहन चालक भाग जाता है। ऐसी स्थिति में 10 साल की सजा, और 10 लाख रुपए का जुर्माना होगा। भारत सरकार ने अंग्रेजों के बनाए कानून आईपीसी, सीआरपीसी, और एविडेंस एक्ट के स्थान पर तीन नए कानून बनाए है। भारत की अपनी सरकार, गुलामी की मानसिकता वाले कानून को हटाकर जो नया कानून भारतीय न्याय संहिता लेकर आई है। उसके प्रावधान अंग्रेजों के बनाये हुए कानून से कहीं ज्यादा खतरनाक हैं। अंग्रेजों के बनाये हुए कानून को सरकार गुलामी उपनिवेश के कानून मानती थी। भारतीय न्याय संहिता में भारतीय नागरिकों को जिम्मेदार बनाकर दंडित किया जा रहा है। वैसा दंड कभी अंग्रेजों के बने हुए कानून में भारतीयों को नहीं मिला, जो अपनी ही सरकार में अब मिलने जा रहा है। जो नया कानून लागू हुआ है। वह जरूर हमें गुलाम बनाने वाला है। इस बात को सभी को समझना होगा। भारत में जो ड्राइवर वाहन चलाते हैं। उन्हें 7 हजार रुपए से लेकर अधिकतम 25000 रूपये का वेतन मिलता है। भारत में सड़कों की क्या हालत है। यह किसी से छिपा नहीं है। ट्रैफिक नियमों का पालन करना तो हमने सीखा ही नहीं है। सरकार के विभाग भी अपनी जिम्मेदारी का पालन नहीं करते हैं। जो ड्राइवर वेतन लेकर वाहन चलाते हैं। वह बहुत कमजोर आर्थिक स्थिति से आते हैं। उन्हें जो वेतन मिलता है, उससे उनका मासिक खर्च ही नहीं चल पाता है, बचत तो वह पूरी जिंदगी कर ही नहीं पाते हैं। अब जो नया भारतीय कानून लागू हुआ है। एक्सीडेंट होने पर किसी की भी गलती हो। वाहन चालक को न्यूनतम 5 वर्ष और अधिकतम 10 वर्ष की सजा होना तय है। वाहन चालकों में सभी वर्ग के लोग आते हैं। ऐसी स्थिति में चाहे सरकारी कर्मचारी हो,व्यापारी हो, छात्र-छात्रा हो,या कोई भी व्यक्ति जो वाहन चल रहा था। उसका जेल जाना तय है। सरकारी नौकरी करने वाले हो, या नेताजी हों, उन्हें भी सजा होना तय है। निजी वाहन चला रहे हैं, और एक्सीडेंट हो गया, किसी की मौत हो गई, तो उनका पूरा भविष्य खत्म हो जाएगा। भले उसकी गलती ना हो। लॉर्ड मैकाले ने जो कानून बनाया था। वर्तमान कानून विद कहते हैं, वह कानूनन ए कानून की तुलना में बहुत अच्छा था। उसमें गुण दोष के आधार पर सजा और जुर्माने का प्रावधान था। भारतीय न्याय संहिता की धारा 104, सब धान बीस पसेरी की तरह है। वाहन चालक से एक्सीडेंट हुआ है, किसी की मौत हुई है। तो जेल जाना और लाखों रुपए का जुर्माना तय है। रसूखदार आदमियों को भले किसी तरीके सरकार और पुलिस द्वारा बचा लिया जाए। मध्यम वर्ग और निम्न वर्ग के लोगों का जीना मुहाल हो जाएगा। अब बिना वाहन चलाए जीवन जीना बड़ा मुश्किल हो गया है।

# नये वर्ष से रामराज्य की सकारात्मक ऊर्जा मिलेगी

*ललित गर्ग*

एक युगांतरकारी घटना के तहत भगवान श्रीराम पांच सौ वर्षों के बाद टेंट से मन्दिर में स्थापित होंगे। अयोध्या में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी श्रीराम मन्दिर का उद्घाटन 22 जनवरी, 2024 को करेंगे, निश्चित ही नये वर्ष से जन-जन को रामराज्य की सकारात्मक ऊर्जा मिलेगी, भारत एक नये युग में प्रवेश करेगा। जितनी आस्था एवं भक्ति से जन-जन ने श्रीराम के प्रति भक्ति एवं आस्था व्यक्त की है, उतनी ही आस्था एवं संकल्प से अब हर व्यक्ति श्रीराम के आदर्शों को अपने जीवन में उतारे एवं स्वयं को श्रीराममय बनाये। श्रीराम बनने की तैयारी करें। अब पुनर्जन्म श्रीराम का ही नहीं, हमारा भी हो। हमारे इर्द-गिर्द श्रीराम की बहुत-सी श्रेष्ठताएं हैं, जो हमें महानता तक ले जाती है और जीवन-मूल्यों की प्रतिष्ठा करती हैं।

नया वर्ष भारत के लिये वास्तविक रूप में रामराज्य की स्थापना का ऐतिहासिक वर्ष होगा। श्रीराम को 'मर्यादा पुरुषोत्तम' कहा गया है अर्थात पुरुषों में सबसे श्रेष्ठ उत्तम पुरुष। आज की जटिल, समस्याग्रस्त एवं अनैतिक स्थितियों के समाधान के लिये अपेक्षा है कि हर व्यक्ति श्रीराम बने, उत्तम पुरुष बने। हर व्यक्ति के सामने एक विचारणीय एवं बड़ा प्रश्न है कि वह आज का राम कैसे बने राम वही बन सकता है जिसने स्वयं को पाने के लिये सकारात्मक यात्रा प्रारंभ की है, जिसमें लक्ष्य के प्रति पूर्ण समर्पण है। जिसमें कष्टों को सहने की सहिष्णुता और धैर्य है, प्रतिकूलताओं एवं कष्टों के बीच सुख और श्रेयस् खोज लेने की प्रकृति है। शब्दों के कोलाहल में मौन रहने का संकल्प है। जो पुरुषार्थ से अपना भाग्य बदलना जानता है। जिसमें प्राणीमात्र के प्रति प्रेम, करूणा एवं मैत्री का भाव है। जो अपने विरोधी या शत्रु से भी सीखने को वरीयता दे। जिसका जीवन सादगी एवं संयम का प्रेरक हो। जो बुराइयों एवं अत्याचार के खिलाफ मोर्चा लेने को तत्पर हो। उन्नत एवं आदर्श समाज एवं राष्ट्र रचना जिसका जीवन-सपना हो। जो स्व और पर के अभ्युदय के लिये तत्पर हो। श्रीराम के इन गुणों को अपनाते हुए हर व्यक्ति राम बनने की ओर प्रस्थान कर सकता है।

प्रभु श्रीराम के व्यक्तित्व में विलक्षण संतुलन मिलता है। शांत-गंभीर और सौम्य श्रीराम ने कभी अपना संतुलन नहीं खोया। उन्होंने कभी परिस्थिति को अपने ऊपर हावी होने नहीं दिया बल्कि हर परिस्थति में दृढ़ता बनाए रखना ही उनका स्वभाव है। आज के मुश्किल समय में हमें यही सीखना है। अनिश्चितता और संशय भरे समय में जब हर कोई टूटा हुआ, भंवर में पड़ा महसूस कर रहा है, श्रीराम की कर्तव्य पथ पर डटे रहने की प्रेरणा काम आ सकती है। मैं तो कहूंगा यदि हम प्रभु श्रीराम के व्यक्तित्व का कुछ अंश भी, उनसे कुछ बूंद भी ग्रहण कर सकें, तो निश्चित ही अपने व्यक्तित्व और जीवन में बदलाव महसूस कर सकते हैं। ऐसा करते हुए हम व्यक्तिगत, पारिवारिक, सामाजिक, राष्ट्रीय एवं वैश्विक जीवन को उन्नत एवं आदर्शमय बना सकते हैं।

आज प्रभु श्रीराम के पुनर्जन्म से ज्यादा जरूरी है, अब हमारा पुनर्जन्म हो। हम श्रीराम के व्यक्तित्व से सीखें, उनके जीवन-आदर्शों पर अपने जीवन को ढ़ाले, जैसे श्रीराम अपने वचन के पक्के थे और इसके लिए बड़े से बड़ा त्याग किया। हमें भी वचनबद्ध होने की साधना करनी चाहिए। श्रीराम को खुद पर भरोसा था और उन्होंने साथ रहने वाले लोगों में भी भरोसा जगाया, हमें भी अपना भरोसा जगाना चाहिए। आगे बढने के लिए दृढ़ संकल्प काफी है। इसके बाद साधन की कमी राह में रोड़ा नहीं बनती। चाहे सेना कम हो या सुविधाओं का अभाव, श्रीराम ने रावण पर अपने दृढ़ संकल्प की बदौलत ही जीत हासिल की। अपनी संकल्प शक्ति से प्रभु श्रीराम की तरह व्यक्ति महानता के उस शिखर को भी छू सकता है, जहां देवता भी नहीं पहुंच पाए थे। एक युवा मन ने वन-गमन के फैसले को सहर्ष स्वीकार किया। तनिक भी विचलित नहीं हुए, बल्कि उस समय विलाप कर रहे मां, भाई और समाज के लोगों में भी अपने निर्णय पर अटल रहने की प्रेरणा जगा दी।

उद्देश्य को लेकर स्पष्ट होना जरूरी है, आपका लक्ष्य क्या है, यह पता होना चाहिए। भाषा-विवेक जरूरी है। अनुचित भाषा का प्रयोग प्रभु श्रीराम ने कभी नहीं किया। हर किसी का स्वागत मुस्कुरा कर करते और उसे तुरंत अपना बना लेते। कभी यह नहीं याद रखा कि औरों ने उनके साथ क्या और कैसा व्यवहार किया, सबके प्रति प्रेम भाव रखा और कर्म पथ पर अडिग रहे। दृष्टि संकुचित नहीं, बल्कि इसमें अथाह विस्तार था। वह परिवार केंद्रित नहीं रहा, बल्कि समस्त मानव जाति के प्रति प्रेम ही था उनका संदेश। अपनी महानता के बारे में कभी विचार नहीं किया, न इसका एहसास कराने की जरूरत समझी। जमीनी बने रहे। सांसारिक जीवन में आगे बढ़ने, नाम कमाने यानी ख्याति, यश, कीर्ति के लिए सदुणों और अच्छे कामों की बड़ी भूमिका होती है, क्योंकि गुण ही किसी भी इंसान को असाधारण और विलक्षण प्रतिभा का स्वामी बना देते हैं। इंसान को अपने जीवन में सफल होने के लिए किन खास गुणों पर ध्यान देना चाहिए ये रामजी के चरित्र के माध्यम से बताया गया है। उन्होंने मानवीय रूप में जन-जन का भरोसा और विश्वास अपने आचरण और असाधारण गुणों से ही पाया। उनकी चरित्र की खास खूबियों से ही वह न केवल लोकनायक बने, बल्कि युगान्तर में भी भगवान के रूप में पूजित हुए।

हम राम तो बनना चाहते हैं पर श्रीराम के जीवन आदर्शों को अपनाना नहीं चाहते, यह एक बड़ा विरोधाभास है। अजीब है कि जो हमारे जन-जन के नायक हैं, जिन प्रभु श्रीराम को अपनी सांसों में बसाया है, जिनमें इतनी आस्था है, जिनका पूजा करते हैं, हम उन व्यक्तित्व से मिली सीख को अपने जीवन में नहीं उतार पाते। जरा सोचिए क्या न्याय पाने के लिए कानून को तोड़ा जा सकता है प्रभु श्रीराम ने तो न्याय के लिए बड़े से बड़ा त्याग किया। अपने-पराए किसी भी चीज की परवाह नहीं की। न्याय के लिए नियमों को सर्वोपरि रखा और मर्यादा पुरुषोत्तम कहलाए! पर हमने यह नहीं सीखा और न्याय के नाम पर नियमों को तोड़ना आम बात हो गई है। संयमित रहना है और नियमों का पालन करना चाहिए, इस बात को लोग गंभीरता से नहीं लेते।

आज का इंसान छोटी-छोटी बातों से, संकटों से विचलित हो जाता है। श्रीराम भी विचलित हुए जब लंका नरेश रावण द्वारा माता सीता का हरण कर लिया गया। श्रीराम का विचलन माता सीता को जल्दी से जल्दी रावण से मुक्त कराने को लेकर था, उनके मार्ग में जो सबसे बड़ी बाधा थी वह समुद्र था। इसे पार करने की चुनौती सबको परेशान कर रही थी। श्री लक्ष्मण चाहते थे कि समुद्र सुखाकर आगे बढ़ा जाए लेकिन प्रभु श्रीराम को यह मंजूर नहीं था। उन्होंने समुद्र से मार्ग दिखाने की विनम्र प्रार्थना की और अंततः समुद्र ने मार्ग बताया। जीवन में ऐसी परिस्थितियां आती रहती हैं। पर प्रभु की तरह यदि मुश्किल समय में हम संयम एवं विनम्रता बरतें तो आगे बढ़ने की राह जरूर मिल जाती है। श्रीराम ने सिखाया कि उतार-चढ़ाव तो जीवन का अंग है। दुख किसने नहीं सहा और किसे नहीं होगा, पर यदि संकल्प मजबूत रहे और संकट काल में संयम बनाए रखें तो हम बड़े से बड़े तूफान, झंझावात का सामना कर सकते हैं। हमें कठिनाइयों में भी अपनी नैतिक मर्यादाओं को नहीं खोना चाहिए। तमाम उतार-चढ़ाव में भी अपने पथ पर आगे बढ़ना ही श्रेष्ठ है, न कि बुराई के आगे समर्पण कर देना। प्रभु श्रीराम ने मर्यादा का जीवन जीकर जन-जन के लिये प्रेरणा बने। पर आज के मनुष्य ने अपने स्वार्थ के वशीभूत होकर प्रकृति, पदार्थ, प्राणी और पर्यावरण के सह-अस्तित्व को नकार दिया। हम अपने वैयक्तिक विचारों के आग्रह में बंधकर रह गये, हमने वैभव और विलासिता की दीवारों को ऊंची करने में जीवन खपा दिया। श्रीराम ने समता से जीने की सीख दी, पर हमने अनुकूलता-प्रतिकूलता के बीच संतुलन-धैर्य रखना भूल गये। श्रीराम ने अभय और मैत्री का सुरक्षा कवच पहनाया, हम प्रतिशोध और प्रतिस्पर्धा को ही राजमाग समझ बैठे। मेरा ईश्वर मैं ही हूं, मेरा राम मैं ही हूं-यह समझ तभी फलवान बन सकती है, जब व्यक्ति स्वयं श्रीराम को जीए और श्रीराम को जीने का तात्पर्य होगा- स्वयं का पुनर्जन्म।

# 20 मंजिल ऊंची इमारत में आग बुझाने के लिए निगम खरीदेगा फायर फाइटिंग वाहन

## मुंबई के मेले में जाकर निगम के अधिकारियों ने पसंद किया वाहन

***इंदौर।*** *शहर में तेजी से बहुमंजिला इमारत का निर्माण हो रहा है। हालांकि इन ऊंची इमारत में आगजनी की घटना होने के कारण पर फायर फाइटिंग के लिए निगम के पास ऐसा वहां मौजूद नहीं है। इसलिए निगम अब 20 मंजिला तक ऊंची इमारतों में फायर फाइटिंग के लिए वहां खरीदेगा। बताया जा रहा है कि 20 करोड रुपए कीमत की गाड़ी खरीदी जाएगी । इस गाड़ी को नगर निगम के अधिकारियों ने मुंबई के मेले में जाकर पसंद किया है।*

बताया जा रहा है कि मुंबई में अग्नि प्रबंध सुरक्षा के प्रबंधों पर आयोजित प्रदर्शनी में भाग लेने के लिए एमआईसी मेंबर के साथ-साथ नगर निगम की अफसरों की टीम भी गई थी। इस टीम के द्वारा वहां बीस करोड़ की अत्याधुनिक हाइड्रोलिक प्लेटफार्म वाली स्काय लिफ्ट को इंदौर के लिए उपयुक्त माना गया है। 22 मंजिल तक आग बुझाने की क्षमता रखने वाली यह स्काय लिफ्ट टू वे आपरेट है। नगर निगम और फायर ब्रिगेड के पास अधिक ऊंचाई की इमारतों में आग बुझाने के लिए संसाधनों की कमी है और वर्षों पुरानी एक हाइड्रोलिक गाड़ी खराब पड़ी है। निगम अधिकारियों के मुताबिक मुंबई में लगी प्रदर्शनी की जानकारी मिलने के बाद विद्युत यांत्रिकी समिति के प्रभारी जीतू यादव, निगम अधिकारी अनूप गोयल, मनीष पांडे के साथ-साथ फायर ब्रिगेड के अधिकारी भी उनके साथ गए थे। मुंबई में आयोजित प्रदर्शनी के दौरान करीब 25 से 30 ऐसे वाहन वहां प्रदर्शित थे, जिनके माध्यम से ऊंची इमारतों में आग पर काबू पाया जा सकता है। इनमें एक कंपनी का अत्याधुनिक वाहन निगम और फायर ब्रिगेड की टीम ने इंदौर के लिए उपयुक्त माना है। इसकी खासियत यह है कि वह 20 मंजिल ऊंचाई तक आसानी से आग पर काबू पा सकता है और यह टू वे आपरेट रहता है। हाइड्रोलिक प्लेटफार्म स्काय लिफ्ट के नाम से इसे कंपनियों द्वारा लांच किया गया है और इसकी एक और खासियत यह है कि इसमें लगी लिफ्ट के माध्यम से पांच किलो का वजन भी लाया ले जा सकता है।

## नगर निगम को भारी पड़ रही पोर्टल की बेरुखी, राजस्व में आई कमी

**इंदौर।** नगरीय प्रशासन विभाग के महत्वपूर्ण आनलाइन पोर्टल ई-नगर पालिका के हैक होने से इंदौर नगर निगम का काम प्रभावित हो रहा है। न आनलाइन टैक्स जमा हो पा रहा है, न जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र बन पा रहे हैं। इतना ही नहीं आनलाइन काम बंद होने से नए खाते भी नहीं खुल पा रहे।

पोर्टल की बेरुखी का असर निगम के राजस्व कलेक्शन पर भी नजर आने लगा है। लोगों द्वारा जमा कराए जा रहे टैक्स की आनलाइन इंट्री नहीं हो पा रही है। इसके चलते पैसा जमा कराने निगम कार्यालय पहुंच रहे लोग बगैर पैसा जमा कराए ही लौटने लगे हैं। इधर इंदौर निगम ने ई-नपा के विकल्प तलाशना भी शुरू कर दिया है। गौरतलब है कि इंदौर सहित प्रदेश के नगरीय निकायों में संपत्ति कर, विवाह प्रमाण पत्र, जलकर, जल कनेक्शन, व्यापार लाइसेंस, जन्म-मृत्यु प्रणाण पत्र सहित कई सुविधाएं ई-नगर पालिका के माध्यम से उपलब्ध कराई जाती हैं। 21 दिसंबर 2023 को इन सेवाओं को देने वाले ई-नगर पालिका साफ्टवेयर पर साइबर अटैक हुआ था। इसके बाद से नगरीय विकास एवं आवास विभाग के सभी सर्वरों तथा अन्य नेटवर्क बंद हैं। इस वजह से भोपाल को छोड़कर प्रदेश के 412 निकायों में आनलाइन सेवाएं प्रभावित हैं। इसके चलते इंदौर नगर निगम में इन दिनों संपत्ति कर, जल कर आदि के नए खाते नहीं खुल पा रहे हैं। ज न्म प्रमाण पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र आदि भी तैयार नहीं हो पा रहे। आनलाइन सेवा ठप होने का असर निगम के राजस्व कलेक्शन पर भी पड़ा है। 31 दिसंबर को नगर निगम का लक्ष्य 20 करोड़ राजस्व कलेक्शन का था लेकिन सिर्फ 13 करोड़ रुपये ही जमा हो सके। बताया जा रहा है कि कई लोग जो टैक्स जमा कराने आए थे वे आनलाइन सेवा बंद होने की खबर लगने के बाद बगैर पैसा जमा कराए ही लौट गए।

### रेलवे टीसी और पुलिस कांस्बेटल बनवाने के नाम पर ठगने वाले

# बंटी-बबली के खिलाफ ठगी के एक दर्जन मामले

**इंदौर।** रेलवे में टीसी और पुलिस कांस्टेबल बनाने के नाम पर युवकों को ठगने वाले बंटी-बबली के खिलाफ इंदौर जिले में एक दर्जन से ज्यादा मामले सामने आए हैं। पता चला है कि दोनों मिलकर नौकरी लगाने के नाम पर डेढ़ करोड़ से ज्यादा की ठगी कर चुके हैं।

जो जितने रुपए देने में सक्षम होता था, उससे उतनी वसूली होती थी। फिलहाल आरोपी युवती का साथी और मास्टर माइंड अभिजित साहू अभी फरार है। पुलिस उसकी तलाश में जुटी हुई है। कुछ स्थानों पर पुलिस ने दबिश भी दी, लेकिन आरोपी का पता नहीं चला है।

इंदौर के बेटमा थाने के तहत नेवरी के रहने वाले फरियादी अनिल पिता प्रेम सिंह परमार (उम्र 22 साल) से नौकरी दिलाने के नाम पर 16 लाख रुपए की ठगी की गई। आरोपी युवती सुमन (34) पिता राघव प्रसाद कुशवाहा, निवासी आलोक नगर, कनाडिया रोड इंदौर और उसका साथी अभिजित साहू निवासी इंदौर हैं।

15 दिन पहले मामले में पुलिस ने केस दर्ज कर आरोपी युवती सुमन को इंदौर से गिरफ्तार कर लिया था, लेकिन उसका साथी फरार हो गया। पूछताछ में पुलिस को पता चला कि युवती का साथी अभिजित साहू इस पूरे गोरखधंधे का मास्टर माइंड है। युवती ने खुद को इनोसेंट बताया। 6 महीने पहले ही आरोपी युवक अभिजित से मिलने की बात कही। लेकिन उसकी पोल खुल गई, क्योंकि फरियादी अनिल द्वारा शिकायत करने के बाद कई दूसरे युवक भी सामने आए हैं, जिनके साथ आरोपी सुमन और उसके साथी अभिजित ने ठगी की है। युवकों ने पुलिस को बताया कि उन्होंने नगद रुपए सुमन को दिए हैं। इसी के साथ सुमन का झूठ भी पकड़ में आ गया। वो रुपए नहीं लेने की बात पुलिस से कह रही थी। इंदौर जिले के ही 12 से अधिक ठगाए युवक बेटमा पुलिस के पास अपनी शिकायत लेकर पहुंच चुके हैं। पुलिस ने उनके बयान लेकर संबंधित थाने में केस दर्ज कराने के लिए कहा है। किसी से 5 लाख, किसी से 7 लाख तो किसी से 10 लाख। जो जैसा मिला उसके साथ वैसी वसूली दोनों आरोपियों ने की है। अभी तक की जांच में ही डेढ़ करोड़ से अधिक की ठगी की बात सामने आ चुकी है। ठगी का शिकार हुए युवकों की संख्या और बढ़ सकती है। अनिल के बाद राहुल नामक युवक ने भी पुलिस को बताया कि उसके साथ भी 6 लाख रुपए की ठगी दोनों आरोपियों ने की है।

## इंदौर जेल के सिपाही से मारपीट करने वाला बदमाश जुबेर दूसरी जेल में होगा शिफ्ट

**इंदौर।** इंदौर में पिछले दिनों ऐसे बदमाशों को शहर से बाहर भेजने की तैयारी की गई, जो जेल में रहकर छोटे बदमाशों की गैंग बनाते हैं। सलमान लाला, भय्यू और बाइपास पर हत्या करने वाले सद्दाम लाला को भी इंदौर जेल से शिफ्ट करने के लिए लेटर लिखे गए हैं। कुछ बदमाशों को बाहर भी किया गया है। कुछ दिन पहले भोपाल सेन्ट्रल जेल में बंद बदमाश को भी इंदौर ट्रांसफर किया गया। इंदौर जेल आते ही यहां उसने सिपाही से मारपीट और झूमा-झटकी कर डाली।

जानकारी के अनुसार भोपाल जेल में उक्त बदमाश गैंग बना ली थी। वह जेल में मोबाइल आपरेट करने लगा था। अब इंदौर जेल में मारपीट मामले में भोपाल जेल अफसरों ने इंदौर के अफसरों से रिपोर्ट मांगी है। इधर मारपीट करने वाले बदमाश को अब इंदौर से भी बाहर भेजने की बात की जा रही है। सेन्ट्रल जेल में सिपाहियों पर हमला करने वाले बदमाश जुबेर पुत्र अनीस को फिर से प्रदेश की दूसरी जेल में भेजा जा सकता है। भोपाल में अफसरों से विवाद के बाद उसका इंदौर ट्रांसफर किया गया। यहां भी उसने दो दिन पहले चैकिंग में विवाद किया। जिसमें सिपाहियों के साथ झूमाझूमी तक हो गई। लेकिन अफसरों ने मामले को तूल पकड़ने के चलते दबा दिया।

## मिशन 2024 की तैयारियों में जुट गई कांग्रेस

# चुनावी घोषणा से पहले कांग्रेस घोषित करेगी प्रत्याशी

**भोपाल।** विधानसभा चुनाव में मिली करारी हार को भूलाकर कांग्रेस लोकसभा चुनाव की तैयारियों में जुट गई है। प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी जहां एक तरफ प्रदेश कार्यकारिणी का खाका तैयार कर रहे हैं, वहीं मिशन 2024 की तैयारियां भी शुरू हो गई है। दरअसल, विधानसभा चुनाव से सबक लेते हुए कांग्रेस लोकसभा की सभी सीटों पर चुनावी की घोषणा से पहले ही प्रत्याशी घोषित करना चाहती है, ताकि सभी को चुनाव प्रचार का पर्याप्त मौका मिल सके। कांग्रेस पार्टी इस बार के लोकसभा चुनाव में दिग्गज नेताओं पर दांव लगाने की तैयारी में है। कांग्रेस पार्टी उन सभी बड़े चेहरों को भी मैदान में उतारने का मन बना रही है, जो विधानसभा का चुनाव चुनाव हार गए है। इनमें पूर्व नेता प्रतिपक्ष डॉ. गोविंद सिंह, पूर्व मंत्री केपी सिंह, कमलेश्वर पटेल, पूर्व विधायक सुरेंद्र सिंह शेरा, नीलांशु चतुर्वेदी, भाजपा से कांग्रेस में आए पूर्व सांसद बोध सिंह भगत सहित कई चेहरे शामिल हैं। पूर्व केंद्रीय मंत्री कांतिलाल भूरिया खुद दिग्गजों को चुनाव लड़ाने की पैरवी कर चुके हैं। उन्होंने कहा कि बड़े नेताओं को लोकसभा का चुनाव लड़ाया जाना चाहिए। इनमें वे नेता भी शामिल माने 1 रहे हैं, जो जो विधानसभा चुनाव-2023 में चुनाव। हार गए गए थे। कांग्रेस कुछ मौजूदा विधायकों को भी चुनाव लड़ाने की तैयारी कर रही है। गौरतलब है कि लोकसभा चुनाव के मद्देनजर पटवारी छह से आठ जनवरी तक प्रदेश के वरिष्ठ नेताओं से विचार-विमर्श करेंगे और फिर उनका प्रदेशव्यापी दौरा प्रारंभ होगा। इसमें प्रदेश प्रभारी जितेंद्र सिंह, नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार, उप नेता हेमंत कटारे भी अलग-अलग स्थानों पर साथ में रहेंगे।

### अभी एक मात्र सीट कांग्रेस के पास

मप्र में लोकसभा की कुल 29 सीटें हैं। इनमें से कांग्रेस के पास एक मात्र सीट छिंदवाड़ा है। छिंदवाड़ा से पूर्व सीएम कमलनाथ के बेटे नकुल नाथ सांसद हैं। साल 2019 के विधानसभा चुनाव में नकुल की जीत का आंकड़ा भी बहुत कम था। साल 2014 में कांग्रेस 29 में से दो सीटों पर जीत हासिल की थी और पार्टी के पास 2019 में एक सीट बची थी। वर्ष 2019 में कांग्रेस के कद्दावर नेता रहे ज्योतिरादित्य सिंधिया भी गुना लोकसभा सीट से चुनाव ह हार गए थे। अब सिंधिया भाजपा में हैं। भाजपा इस बार सभी 29 सीटें जीतने की रणनीति पर काम कर रही है, जबकि कांग्रेस विधानसभा में मिली हार का बदला लोकसभा में चुकाना चाहती है और भाजपा से सीटें छीनकर अपने पाले में लाने की तैयारी कर रही है। कांग्रेस नेताओं की हाल में भोपाल में हुई बैठक में प्रत्याशियों के चयन का मुद्दा जोर-शोर से उठा था। पार्टी के नेताओं की मांग थी कि उम्मीदवारों के नामों का ऐलान जल्दी कर दिया जाए। कोशिश की जाए कि जनवरी और फरवरी तक पार्टी अपने उम्मीदवारों के नामों का ऐलान कर दे। इससे उन्हें तैयारी करने का मौका मिल जाएगा। प्रत्याशियों की तैयारी जब पूरी होगी, तो उन्हें प्रचार करने के लिए पूरा समय मिलेगा। वे तय रणनीति के तहत मैदान में अपने चुनाव प्रचार को अंजाम भी दे पाएंगे। उसके बाद पार्टी ने अंदर खाने यह तय किया कि उम्मीदवारों के नामों का ऐलान जल्दी कर देना चाहिए। लिहाजा पार्टी ने अपने स्तर पर तैयारियां शुरू कर दी हैं। इसी मंशा से दावेदारों और जिला संगठन से जानकारी मांगी गई है।

### दावेदारों से बायोडाटा मांगा

विधानसभा चुनाव में मिली हार के बाद कांग्रेस आलाकमान ने प्रदेश संगठन की कमान युवा नेतृत्व को सौंपी है। इससे कांग्रेस की तैयारियों में नया जोश नजर आने लगा है। शायद यही वजह है की मप्र कांग्रेस कमेटी ने लोकसभा चुनाव के लिए उम्मीदवारों के नामों की तलाश शुरू कर दी है। इसके लिए पार्टी ने दावेदारों से बायोडाटा मांगा है। कांग्रेस आलाकमान ने जिला संगठन से भी लोकसभा चुनाव के लिए प्रत्याशियों के नामों पर सुझाव देने कहा है। इस बार कांग्रेस अपने उम्मीदवारों के नामों का ऐलान भी जल्दी करने के मूड में है। मकसद यह कि मैदान में जल्दी उम्मीदवार उतारने से उन्हें प्रचार करने का भरपूर समय मिल जाएगा। पार्टी ने यह सबक विधानसभा चुनाव से लिया है। विधानसभा चुनाव में देरी से उम्मीदवारों के नाम का ऐलान करने के कारण उन्हें तैयारी का मौका नहीं मिला है और चुनावी माहौल कांग्रेस के पक्ष में होने के बावजूद पार्टी बुरी तरह हार गई। पार्टी स्तर पर यह माना गया कि साल 2023 के विधानसभा चुनाव में उम्मीदवारों का चयन करने में कांग्रेस काफी पिछड़ गई थी। अव्वल तो उम्मीदवारों का नाम तय करने में जानबूझ कर देरी की गई। उसके बाद जब उम्मीदवारों के नामों का ऐलान किया गया, तब उनका चयन सही नही था। यह बात पिछले लोकसभा चुनाव में भी सामने आई थी। मसलन यदि पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह को भोपाल की बजाय राजगढ़ लोकसभा सीट से उम्मीदवार बनाया जाता है, तो उनका पलड़ा मजबूत होता। पार्टी पिछले लोकसभा और हाल में हुए विधानसभा चुनाव की गलती को अब दोहराना नही चाहती है। इसी मंशा से पार्टी ने नामो की छंटनी शुरू कर दी है। कांग्रेस के तमाम दिग्गज नेता यह स्वीकार करते हैं कि भाजपा से मजबूती से मुकाबला करना है, तो पार्टी को उम्मीदवार जल्दी उतारने होंगे।

## मिशन 2024-भाजपा का प्लान ऑल आउट

# मप्र में 60 प्रतिशत वोट का टारगेट और कमलनाथ के छिंदवाड़ा पर भी नजर

**भोपाल।** भाजपा ने एमपी की सभी 29 सीटों के लिए प्लान तैयार किया है, जिनमें से एक कमलनाथ की छिंदवाड़ा सीट भी है। वह यहां से लगातार जीत हासिल करते रहे हैं और 2019 में उनके बेटे नकुलनाथ ने जीत पाई थी। भाजपा ने मध्य प्रदेश के अपने किले को 20 साल से बचा रखा है और एक बार फिर से विधानसभा चुनाव में जीत हासिल की है। अब वह उससे आगे बढ़कर लोकसभा इलेक्शन में क्लीन स्वीप की तैयारियों में जुट गई है। भाजपा ने राज्य की सभी 29 सीटों के लिए प्लान तैयार किया है, जिनमें से एक कमलनाथ की छिंदवाड़ा सीट भी है। वह यहां से लगातार जीत हासिल करते रहे हैं और 2019 में उनके बेटे नकुलनाथ ने जीत पाई थी। यह इकलौती सीट थी, जिस पर कांग्रेस जीती थी। लेकिन अब भाजपा इस पर भी नजर गड़ाए हुए है। भाजपा की हाल ही में हुई मीटिंग में फैसला लिया गया है कि मध्य प्रदेश में 60 फीसदी वोट हासिल करने का टारगेट रहेगा। इसके अलावा सभी 29 सीटों पर जीत हासिल करने का प्लान बन रहा है। पिछले कुछ दिनों में राष्ट्रीय महासचिव सुनील बंसल, सीएम मोहन यादव, प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा और अलग-अलग मोर्चे के नेताओं की कई मीटिंग हुई हैं। इन बैठकों में एमपी में लोकसभा इलेक्शन के गेम प्लान पर चर्चा हुई। इसमें चर्चा हुई है कि भाजपा के कार्यकर्ता राम मंदिर को लेकर जनता तक जाएंगे। इसके अलावा बूथ लेवल पर एक बार फिर देखा जाएगा कि क्या कमियां रह गई हैं। यही नहीं मोदी की गारंटी को विधानसभा चुनाव की तरह ही फिर से प्रचारित किया जाएगा। कहा जा रहा है कि भाजपा ने नारा भी तैयार कर लिया है। यह नारा होगा- तीसरी बार मोदी सरकार, अबकी बार 400 पार। इसके अलावा लाभार्थी वर्ग को भी टारगेट किया जा रहा है।

# डीजीपी ने पदोन्नत अधिकारियों को लगाई रैंक

## कहा, आपका कार्य व्यवहार बनेगा अन्य अधिकारियों के लिए प्रेरणास्रोत

**भोपाल।** मध्यप्रदेश शासन के गृह विभाग द्वारा जारी आदेश के बाद भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारियों को पदोन्नत किया गया है। इसी अनुक्रम में सोमवार को पुलिस मुख्यालय, भोपाल में डीजीपी सुधीर कुमार सक्सेना ने पदोन्नत अधिकारियों को रैंक लगाई। इस दौरान डीजीपी सक्सेना ने सभी पदोन्नत अधिकारियों को शुभकामना देते हुए कहा कि यह पदोन्नति आपकी समर्पित और निष्ठापूर्ण सेवा का प्रतिफल है। प्रदेश में कानून एवं शांति व्यवस्था बरकरार रखने में आपने उत्कृष्ट कार्य किया है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि भविष्य में भी आप प्रदेश की प्रगति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने में अपनी नेतृत्व क्षमता का परिचय देंगे। आप अपनी कार्यप्रणाली को ऐसा रखें कि वह अन्य अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए भी प्रेरणास्रोत बने। उन्होंने कहा कि समय पर पदोन्नति प्रदान की जाना सदैव सरकार की प्राथमिकता रही है, इसका परिपालन करते हुए मध्यप्रदेश पुलिस के अधिकारियों को पदोन्नत किया गया है।

इन अधिकारियों को किया गया पदोन्नत -उल्लेखनीय है कि मध्यप्रदेश शासन गृह विभाग द्वारा 29 दिसंबर 2023 को जारी आदेशानुसार 1 जनवरी 2024 से भारतीय पुलिस सेवा (मध्यप्रदेश कैडर) के 33 अधिकारियों को पदोन्नत किया गया है। इनमें राकेश गुप्ता और श्रीमती दीपिका सूरी को आईजी से एडीजी पद पर पदोन्नत किया गया है। श्रीमती रुचिवर्धन मिश्र, चंद्रशेखर सोलंकी, चैत्रा एन., अनिल सिंह कुशवाहा, आर.आर. एस. परिहार, आर. के. हिंगणकर, अंशुमन सिंह, मनीष कपूरिया, अरविंद कुमार सक्सेना, विनीत खन्ना, श्रीमती हिमानी खन्ना, मिथिलेश शुक्ला और अनुराग शर्मा को डीआईजी से आईजी के पद पर पदोन्नत किया गया है। इसी प्रकार साकेत प्रसाद पाण्डे, अमित सांघी, तुषारकांत विद्यार्थी, सत्येन्द्र कुमार शुक्ला, बीरेंद्र कुमार सिंह, प्रशांत खरे, अतुल सिंह, मनीष कुमार अग्रवाल, आबिद खान, आशुतोष प्रताप सिंह, मोहम्मद यूसुफ कुरैशी, निमिष अग्रवाल, सिद्धार्थ बहुगुणा, पंकज श्रीवास्तव, राजेश कुमार सिंह, डॉ. विनीत कपूर, धर्मेंद्र सिंह भदौरिया और हेमंत चौहान डीआईजी के पद पर पदोन्नत किए गए हैं।

डीजीपी ने पुलिस मुख्यालय में इन्हें लगाई रैंक-डीजीपी सुधीर कुमार सक्सेना ने पुलिस मुख्यालय में एडीजी श्रीमती दीपिका सूरी, आईजी श्रीमती रुचिवर्धन मिश्र, आईजी श्रीमती हिमानी खन्ना, आईजी विनीत खन्ना, आईजी अनुराग शर्मा, डीआईजी तुषारकांत विद्यार्थी, डीआईजी सत्येन्द्र कुमार शुक्ला, डीआईजी प्रशांत खरे, डीआईजी अतुल सिंह, डीआईजी डॉ. विनीत कपूर और डीआईजी हेमंत सिंह चौहान को रैंक लगाई।

# हितग्राहियों को मिल रहा है सरकार की जनोन्मुखी योजनाओं का लाभ-राज्यपाल श्री पटेल

## राज्यपाल ने हितग्राहियों को वितरित किए योजनाओं के हितलाभ

**भोपाल।** राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने आज विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत सागर जिले के ग्राम भापेल में आयोजित शिविर में कहा कि योजनाओं के माध्यम से हितग्राहियों को सरकार आपके द्वार पहुंचकर लाभान्वित कर रही है। सागर जिले का भापेल आज गौरव महसूस कर रहा होगा, जब पूरी सरकार ग्राम भापेल में आकर हितग्राहियों को लाभान्वित करने का कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा अनेक क्रांतिकारी योजनाओं के माध्यम से पात्र व्यक्तियों को लाभान्वित किया जा रहा है। प्रधानमंत्री आवास योजना के माध्यम से जहां पक्के मकान बनाये जा रहे हैं, वहीं गरीब व्यक्तियों को निःशुल्क 5 लाख तक का इलाज आयुष्मान भारत निरामय योजना के माध्यम से दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि कच्चे मकान में रहने में जो दर्द होता है, वह रहने वाला ही समझ सकता है। इसी प्रकार जब गरीब व्यक्ति पैसों के अभाव में इलाज नहीं करा पाता, इसकी पीड़ा वही समझता है। प्रधानमंत्री श्री मोदी सभी की पीड़ा समझते हुए योजनाओं के माध्यम से सबको लाभ पहुंचाने का कार्य कर रहे हैं। मध्यप्रदेश में 16 दिसम्बर से विकसित भारत संकल्प यात्रा जारी है। ऐसे जरूरतमंद और पात्र नागरिक, जो किन्हीं कारणों से शासन की योजनाओं के हितलाभ से वंचित रह गए हैं, उन तक शासन की योजनाओं का लाभ पहुंचाना और उनके जीवन में खुशहाली लाना ही विकसित भारत संकल्प यात्रा का मुख्य उद्देश्य है।

इसमें आईईसी वैन में लगे एलईडी के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में घर-घर पहुंचकर योजनाओं की

जानकारी दी जा रही है तथा हितलाभ भी वितरित किए जा रहे हैं।

राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि केन्द्र और राज्य शासन द्वारा समाज के सभी वर्गों के लिए योजनाएं संचालित की जा रही हैं। पहले योजनाओं का लाभ लेने के लिए नागरिकों को कार्यालयों में जाना पड़ता था। लेकिन अब संकल्प यात्रा के माध्यम से अधिकारी स्वयं नागरिकों के पास पहुंच कर आवेदन प्राप्त कर रहे हैं। सागर जिले में अब तक 345 ग्राम पंचायतों में यह यात्रा पहुंच चुकी है तथा हितग्राहियों को पात्रतानुसार योजनाओं के हितलाभ भी दिये जा रहे हैं। राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री गरीब कल्याण, प्रधानमंत्री आवास, आयुष्मान भारत, प्रधानमंत्री उज्जवला जैसी अनेक योजनाएं प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अभिनव पहल हैं। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, सुरक्षा बीमा, जीवन ज्योति एवं अटल पेंशन योजनाओं का लाभ पात्र व्यक्ति तक पहुंचाया जा रहा है, स्व-सहायता समूह की महिलाएं आत्मनिर्भर हो रही है। सरकार द्वारा महिला सशक्तिकरण के लिए महत्वपूर्ण कार्य किए गए हैं और इनके सकारात्मक परिणाम भी दिखाई दे रहे हैं। महिलाएं अब अपने परिवार की उन्नति में भी योगदान दे रहीं हैं।

कार्यक्रम में सांसद श्री राज बहादुर सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की विकसित भारत के सपने को हम सबको मिलकर पूरा करना है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी की मंशानुसार योजनाओं का लाभ सभी हितग्राहियों को निचले स्तर तक प्राप्त हो, इसके लिए संकल्प यात्रा मील का पत्थर साबित हो रही है। उन्होंने कहा कि सागर जिले के हजारों हितग्राहियों को लाभान्वित किया गया है। इस यात्रा के माध्यम से निचले स्तर से लेकर पंचायत स्तर एवं शहरी क्षेत्र में वार्डों के अंतिम व्यक्ति तक लाभ पहुंचाने का कार्य किया जा रहा है।

शिविर में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री पी.सी. शर्मा ने बताया कि सागर जिले में 17 दिसंबर से जिले की 765 ग्राम पंचायतों एवं सभी नगरीय निकायों में विकसित भारत संकल्प यात्रा के माध्यम से शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। सभी विभागों के विभागीय अधिकारी द्वारा अपने-अपने विभाग के स्टॉल लगाकर योजनाओं की जानकारी देकर लाभान्वित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि अभी तक 378 शिविर लगाये गए, जिसमें 2 लाख 68 हजार 401 हितग्राही उपस्थित रहे। शिविर में 967 आधार कार्ड, 3079 उज्जवला गैस योजना, 1899 आयुष्मान कार्ड, 1599 प्रधानमंत्री स्व-निधि योजना, 3605 प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, 2391 प्रधानमंत्री जीवन ज्योति योजना का लाभ प्रदान किया गया। इसी प्रकार 1 लाख 7 हजार 454 व्यक्तियों का स्वास्थ्य परीक्षण कराया गया।

आरंभ में राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल द्वारा दीप प्रज्जलित किया गया एवं कार्यक्रम के प्रारंभ एवं अंत में विद्यालय की छात्राओं द्वारा राष्ट्रगान की प्रस्तुति दी गई।

# नए साल में बिजली उपभोक्ताओं बड़ा झटका देने की तैयारी!

### बिजली दरों में 3 से 5 प्रतिशत की बढ़ोतरी की संभावना

### फाइनेंशियल मिस मैनेजमेंट के चलते दर बढ़ाने की नौबत आई

**भोपाल।** मध्यप्रदेश में विधानसभा चुनाव खत्म होते ही बिजली कंपनियों ने प्रदेश की जनता को 440 वॉल्ट का झटका देने की तैयारी कर ली है। कलेक्शन एफिशिएंसी में 30 फीसदी की गिरावट आई है। इसकी वजह ये है कि वित्तीय वर्ष 2024-25 में बिजली की दरों में 3 से 5 प्रतिशत की बढ़ोतरी होने की संभावना है। अगर ऐसा होता है तो इसका सीधा असर उपभोक्ताओं की जेब पर पड़ेगा।

प्राप्त जानकारी के अनुसार बिजली कंपनियों ने 3.86प्र. दर बढ़ाने का प्रस्ताव मध्यप्रदेश विद्युत नियामक आयोग के सामने रखा है। नियामक आयोग ने 22 जनवरी तक सुझाव और आपत्तियां मांगी है। जिस पर 29 से 31 जनवरी तक सुनवाई होगी। अगर ऐसा होता है तो टैरिफ में 151 से 300 यूनिट का स्लैब खत्म हो जाएगा। बता दें कि 151 से 300 यूनिट तक खपत पर 5.23 रुपए प्रति यूनिट

वसूली होती है। वहीं 300 यूनिट के बाद 6.61 रुपए प्रति यूनिट की वसूली होती है। नए प्रस्ताव के तहत 151 यूनिट ही उच्चतम स्लैब होगा।

**बिजली कंपनियां क्यों बढ़ाना चाह रही है दाम**-नागरिक उपभोक्ता मार्गदर्शक मंच अध्यक्ष डॉ. पी जी नाजपांडे के अनुसार सरकार ने अपनी ओर से नियामक आयोग के पास 3 से 5 फीसदी बिजली दरें बढ़ाने का प्रस्ताव भेजा है। नियामक आयोग बार-बार ये कहता है कि कलेक्शन एफिशिएंसी 90 फीसदी से अधिक होनी चाहिए, लेकिन कलेक्शन एफिशिएंसी पिछले तीन महीनों से 30 फीसदी तक कम होकर लगभग 60 फीसद पर आ गई है। नागरिक उपभोक्ता मार्गदर्शक मंच अध्यक्ष डॉ. पी जी नाजपांडे ने विरोध में विद्युत नियामक आयोग में बिजली कंपनियों द्वारा बढ़ाई जा रही दर का विरोध करते हुए आपत्ति लगा दी है।

**फाइनेंशियल मिस मैनेजमेंट के चलते बिजली दर बढ़ाने की नौबत आई**-कलेक्शन एफिशिएंसी का मतलब ये है कि आपका दिया हुआ बिल जमा हुआ है या नहीं। उस कलेक्शन के आधार पर रेवेन्यू तय होता है। सरकार की तरफ से करीब 13 हजार करोड़ विभिन्न योजनाओं में लिया था, वो अब तक विद्युत् कंपनियों को नहीं मिला है। इसलिए कंपनियों का रेवेन्यू घट गया है। फाइनेंशियल मिस मैनेजमेंट के चलते बिजली दर बढ़ाने की नौबत आ गई है।

**समझे बिजली बिल का गणित**-नियामक आयोग ने बिजली की दरें 3प्र. बढ़ाई तो 300 यूनिट खपत के मासिक बिल में 70 रुपये और 5प्र. बढ़ने पर 113 रुपये देने होंगे। वहीं एमपी पावर मैनेजमेंट कंपनी ने अगले वित्तीय वर्ष में बिजली दरों में 3 से 5 प्रतिशत बढ़ोतरी के लिए विद्युत नियामक आयोग में याचिका दायर की है। अब इस मामले में जल्द सुनवाई 29 से 31 जनवरी को होनी है। मतलब साफ़ है कि मध्यप्रदेश के बिजली उपभोक्ताओं को नए साल में जोरदार झटका लगने वाला है।

### पदभार ग्रहण करते ही पटेल ने किया ऐलान

## मध्यप्रदेश में आदिवासियों को मकानों के लिए दो-दो लाख

**भोपाल।** नववर्ष के पहले दिन प्रदेश कैबिनेट में शामिल कई मंत्रियों ने पूजा-अर्चना कर पदभार ग्रहण किया। पंचायत मंत्री प्रहलाद पटेल ने पदभार ग्रहण करते ही श्रम विभाग में रिक्त पदों की भर्ती करने के साथ ही मध्यप्रदेश के आदिवासियों को मकान के लिए 2 लाख रुपए देने का ऐलान किया। कल प्रहलाद पटेल के साथ ही मंत्री राव उदयप्रताप सिंह, तुलसी सिलावट, प्रतिभा बागरी, चैतन्य कश्यप ने भी अपने मंत्रालयों का पदभार ग्रहण किया। ग्रामीण पंचायत मंत्री प्रहलाद पटेल ने कहा कि पूरे प्रदेश में प्रधानमंत्री आदिवासी अभियान चलाया जाएगा। इसमें शहरिया बेघर और करियन आदिवासियों को बड़े पैमाने पर लाभान्वित किया जाएगा। प्रदेश के हर आदिवासी को प्रधानमंत्री आवास योजना की तर्ज पर मकान बनाने के लिए 2-2 लाख रुपए और शौचालय निर्माण के लिए अलग से राशि का भुगतान किया जाएगा और हर आदिवासी गांव को मुख्य सड़क से भी जोड़ा जाएगा।

## दिखावा न करे सरकार-पटवारी

**भोपाल।** प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा है कि मप्र में भ्रष्टाचार जड़ों तक पहुंच गया है। गुना हादसे के बाद सरकार ने कार्रवाई का जो दिखावा किया है, वो अपने लोगों को टांसपोर्ट विभाग में 1 पदस्थ करने की चाल है। पहले भी कई दुर्घटनाएं हुई हैं, लेकिन सरकार ने न सबक लिया, न ही ने रोकथाम के लिए स्थायी व्यवस्था बनाई। उन्होंने सीएम से अनुरोध किया कि सर्वप्रथम ट्रांसपोर्ट चेकपोस्ट के भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाएं और वाहनों के फिटनेस की जांच कराकर जनता की सुरक्षा सुनिश्चित करें।

BOLLYWOOD UPDATE

# जल्द रकुल प्रीत सिंह अपने बॉयफ्रेंड जैकी भगनानी संग लेंगी सात फेरे

बॉलीवुड एक्ट्रेस रकुल प्रीत इन दिनों अपनी प्रोफेशनल लाइफ नहीं बल्कि अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर खबरों में आ गई हैं। सूत्रों की माने तो रकुल प्रीत सिंह जल्द ही अपने लॉग टाइम बॉयफ्रेंड जैकी भगनानी के साथ सात फेरे लेने जा रही हैं। शादी की तारीख का भी खुलासा हो गया है।

कुछ सालों से रकुल प्रीत फिल्मेकर और एक्टर जैकी भगनानी को डेट कर रही हैं। हाल ही में सूत्रों से खबर आई है कि, रकुल प्रीत सिंह और जैकी भगनानी दोनों अपने रिश्ते को आगे बढ़ा रहे हैं। दोनों एक-दूसरे को बहुत प्यार करते हैं और दोनों जल्द शादी करने वाले हैं। सामने आई लेटेस्ट रिपोर्ट के अनुसार, रकुल प्रीत सिंह इसी साल फरवरी में अपने बॉयफ्रेंड जैकी भगनानी के साथ सात फेरे लेने के लिए तैयार हैं। शादी की तारीख भी सामने आ रही है। रिपोर्ट की मानें तो शादी गोवा में होगी। खैर फिलहाल तो स्टार कपल न्यू ईयर सेलिब्रेट करने थाइलैंड में हैं। दोनों थाईलैंड में शानदार तरीके से अपनी छुट्टियां एंजॉय कर रहे हैं। खैर रकुल और प्रीत हमेशा ही साथ में पार्टी और छुट्टियां मनाते रहते हैं और सोशल मीडिया पर एक-दूसरे के साथ फोटोज भी शेयर करते हैं।

रकुल प्रीत और जैकी भगनानी का रिश्ता- रकुल प्रीत सिंह और फिल्ममेकर जैकी भगनानी के रिश्ते को लेकर बात करें तो, रकुल ने 2021 में जैकी से अपने प्यार का इजहार किया है। एक्ट्रेस ने अपने जन्मदिन पर एक्टर संग रोमांटिक फोटो पोस्ट करके रिश्ते को ऑफिशियल किया था। रकुल प्रीत ने एक इंटरव्यू के दौरान कहा, हम दोनों पड़ोसी थे लेकिन हमने कभी भी बात नहीं की थी। लॉकडाउन के दौरान दोनों एक कॉमन फ्रैंड के जरिए मिले थे। इसी के बाद से दोनों में बातचीत शुरू हुई थी। लंबे समय तक एक दूसरे की कपंनी एंजॉय करने के बाद हमने अगला स्टेप लेने का फैसला लिया था।

# जान्हवी ने शिखर पहाड़िया के साथ अपने रिश्ते पर लगाई मुहर

करण जौहर का टॉक शो कॉफी विद करण सीजन 8 दर्शकों को काफी पसंद आ रहा है। बीते एपिसोड में सैफ अली खान और शर्मिला टैगोर नजर आए थे। वहीं इस सीजन के नए एपिसोड का प्रोमो रिलीज हुआ है, जिसमें देखा रहा है कि आने वाला एपिसोड बेहद खास होने जा रहा है क्योंकि इस बार करण की कॉफी पीने कपूर सिस्टर्स जो आ रही हैं। हम बात कर रहे हैं खुशी कपूर और जाह्नवी कपूर की। शो में इस बार दोनों बहने काफी मस्ती करती नजर आएंगी और दोनों ए-दूसरे के राज भी खोलेंगी। करण जौहर के शो में अब तक कई सेलेब्स कॉफी पीते नजर आए हैं और अपने कई राज से भी पर्दा उठाते दिखाई दिए हैं। अब बारी खुशी कपूर और जाह्नवी कपूर की आई है। करण ने अपने इंस्टाग्राम पर प्रोमो वीडियो शेयर किया है, जिसमें करण ने जाह्नवी संग रैपिड फायर खेला और फिर कई राज खुले।

**प्यार से शिखर को इस नाम से बुलाती है जाह्नवी**

जाह्नवी ने अपने ब्वॉयफ्रेंड शिखर पहाड़िया को लेकर खुलासा कर दिया कि वह उन्हें शिख्खु कहती हैं। दरअसल, रैपिड फायर राउंड में करण जाह्नवी से पूछते हैं कि उनके फोन की स्पीड डायल लिस्ट में 3 टॉप कॉनटेक्ट हैं। इसके जवाब में जाह्नवी कहती हैं कि पहले नंबर पर पप्पा, सैकेंड खूशु और तीसरे पर

शिख्खु (शिखर पहाड़िया)। बता दें, शिखर पहाड़िया महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री सुशील कुमार शिंदे के पोते हैं। बॉलीवुड में आने से पहले से ही शिखर और जाह्नवी एक-दूसरे को जानते हैं।

## नए साल में इन सीरीज टूर्नामेंट्स पर भारत की रहेगी पैनी नजर

टीम इंडिया के लिए 2023 किसी बुरे सपने से कम नहीं रहा है। भारत के पास दो बार वर्ल्ड चैंपियन बनने का मौका था, लेकिन दोनों ही बार टीम को फाइनल में हार का सामना करना पड़ा। ऐसे में रोहित शर्मा की कप्तानी में टीम इंडिया 2024 का आगाज जीत के साथ करना चाहेगी. साउथ अफ्रीका के खिलाफ जारी टेस्ट सीरीज का दूसरा और आखिरी मैच 3 जनवरी से केपटाउन में खेला जाएगा. इस मैच से भारत नए साल की शुरुआत करेगा। इस साल भारत को कई बड़े टूर्नामेंट्स / सीरीज खेलनी है।

**ICC ट्रॉफी जीतना सबसे बड़ा लक्ष्य**

टीम इंडिया का 2024 में सबसे बड़ा लक्ष्य ICC ट्रॉफी जीतना है। 13 साल से भारत कोई भी वर्ल्ड कप खिताब जीत नहीं पाया है। हाल ही में हुए ODI वर्ल्ड कप 2023 में भी भारत को फाइनल मैच में हार का सामना करना पड़ा था। ऐसे में टीम जून में होने वाले टी20 वर्ल्ड को जीतकर ICC ट्रॉफी और वर्ल्ड कप जीतने का सपना पूरा करना चाहेगी। भारत आखिरी बार कोई भी ICC ट्रॉफी 2013 में जीतने में कामयाब रहा था, जब महेंद्र सिंह धोनी ने अपनी कप्तानी में चैंपियंस ट्रॉफी जिताई थी. इसके बाद विराट कोहली को कप्तानी मिली, लेकिन वह भारत को कोई ICC खिताब नहीं जिता सके।

**इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज**

बेन स्टोक्स की कप्तानी में इंग्लैंड टीम जनवरी में भारत से 5 मैचों की टेस्ट सीरीज खेलने आ रही है। यह पहली बार होगा जब बैजबॉल टीम भारत के खिलाफ उतरेगी। यह बेन स्टोक्स की इंग्लैंड के लिए भी एक बड़ी सीरीज होगी, जिसने पिछले डेढ़ साल में ज्यादातर टेस्ट मैचों में दबदबा बनाए रखा है। भारत के लिए भी यह सीरीज आसान नहीं रहने वाली है. यह सीरीज 25 जनवरी से शुरू होकर 11 मार्च तक चलेगी।

sports

## विश्व कप विजेता कप्तान मेसी को बड़ा सम्मान देगा अर्जेंटीना

अर्जेंटीना ने अपने फुटबॉल कप्तान लियोनल मेसी को बड़ा सम्मान देने का निर्णय किया है। 2022 में टीम को विश्व कप दिलाने वाले मेसी की 10 नंबर की जर्सी को अब कोई खिलाड़ी भविष्य में नहीं पहन सकेगा। अर्जेंटीना फुटबॉल संघ ने राष्ट्रीय टीम में 10 नंबर की जर्सी को रिटायर करने का फैसला किया है। मेसी की कप्तानी में अर्जेंटीना की टीम ने कतर में खेले गए विश्व कप के फाइनल में फ्रांस को पेनल्टी शूटआउट में हराया था।

स्पैनिश दैनिक मार्का ने अर्जेंटीना फुटबॉल महासंघ के अध्यक्ष क्लाउडियो चिक्की तापिया के हवाले से लिखा, जब मेसी राष्ट्रीय टीम से रिटायर होंगे, तो उनके बाद किसी और को 10 नंबर की जर्सी पहनने की अनुमति नहीं मिलेगी। 10 नंबर की जर्सी उनके सम्मान में हमेशा के लिए रिटायर कर दी जाएगी। हम उनके लिए इतना तो कर ही सकते हैं।

**मेसी ने दो साल में जीते तीन खिताब**

मेसी ने दो साल के अंदर अर्जेंटीना के लिए तीन खिताब जीते। उन्होंने कोपा अमेरिका 2021 जीतने के बाद 2022 में फिनालिसिमा और विश्व कप को अपने नाम किया। कई लोगों को संदेह था कि वह 2014 विश्व कप फाइनल में जर्मनी से हार और कोपा अमेरिका में चिली के खिलाफ हार के बाद आगे नहीं खेलेंगे। 2016 में उन्होंने संन्यास भी ले लिया था, लेकिन बाद में वापसी की। उसके अपने खेल में सुधार किया।

**स्केलोनी ने बदला अर्जेंटीना का खेल**

लियोनल स्केलोनी के कोच बनने के बाद टीम का प्रदर्शन शानदार हुआ और उसने तीन खिताब जीत लिए। विश्व कप में सऊदी अरब के खिलाफ ग्रुप मैच में हारने के बाद अर्जेंटीना ने शानदार वापसी की और विश्व कप को जीत लिया। मेसी ने अर्जेंटीना के लिए 180 मैचों में 106 गोल किए हैं। 2026 में विश्व कप शुरू होने तक मेसी का भविष्य खतरे में है। वह 2024 में अर्जेंटीना के लिए दूसरी बार कोपा अमेरिका ट्रॉफी जीतकर संन्यास ले सकते हैं।

## 2024 में कमाल करने के लिए तैयार है स्टार खिलाड़ी चोट के बाद दमदार वापसी की सभी को चेताया

टेनिस के दिग्गज खिलाड़ी राफेल नडाल ने चोट के बाद दमदार वापसी की है। उनके साथ अभ्यास करने वाले होल्गर रूण का मानना है कि नडाल दमदार वापसी के लिए तैयार हैं। दुनिया के आठवें नंबर के खिलाड़ी रूण ने कहा कि नडाल अभ्यास के दौरान वास्तव में अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। 22 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन राफेल नडाल एक साल तक बाहर रहने के बाद वापसी करने के लिए तैयार हैं। रूण ने ऑस्ट्रेलिया में ब्रिस्बेन इंटरनेशनल में नडाल की जोरदार वापसी की उम्मीद जताई है।

2023 ऑस्ट्रेलियन ओपन के दूसरे दौर में मैकेंजी मैकडोनाल्ड से हारकर बाहर होने के बाद से नडाल ने किसी भी प्रकार का प्रतिस्पर्धी टेनिस नहीं खेला है। फिट होने के लिए नडाल ने फ्रेंच ओपन, यूएस ओपन और विंबलडन में भाग नहीं लिया। इस दौरान वह 20 साल में पहली बार शीर्ष 100 से भी बाहर हो गये।

रूण ने ब्रिस्बेन इंटरनेशनल से पहले नडाल के साथ अभ्यास किया था और उन्होंने ने जो खेल दिखाया उससे वह प्रभावित हुए। ब्रिस्बेन इंटरनेशनल चल रहा है लेकिन नडाल अपना पहला मैच दो जनवरी को डोमिनिक थिएम के खिलाफ खेलेंगे।

*फिट होने के लिए नडाल ने फ्रेंच ओपन, यूएस ओपन और विंबलडन में भाग नहीं लिया। इस दौरान वह 20 साल में पहली बार शीर्ष 100 से भी बाहर हो गये।रूण ने ऑस्ट्रेलिया में ब्रिस्बेन इंटरनेशनल में नडाल की जोरदार वापसी की उम्मीद जताई है।*

रूण ने कहा यह हास्यास्पद है, आज अभ्यास के बाद मैंने अपनी टीम से बात की और मुझे लगा कि उसने (नडाल) अविश्वसनीय खेला। वह जोरदार प्रहार कर रहा था, वह हमेशा जोरदार प्रहार करता था, लेकिन फिर हमने अंक गिनने शुरू किए और मुझे लगा कि वह वास्तव में अच्छी तरह से आगे बढ़ रहा था, बहुत तेजी से आगे बढ़ रहा था और मुझे लगता है कि वह जो तीव्रता लाता है वह अविश्वसनीय है।

रूण ने कहा कि नडाल के साथ अभ्यास शायद पिछले आधे साल में उनका सबसे अच्छा अभ्यास था। अगर नडाल थिएम को हराने में सफल रहते हैं, तो दूसरे दौर में उनका मुकाबला ऑस्ट्रेलिया के जेसन कुबलर और रूस के असलान करातसेव के बीच विजेता से होगा।

रूण ने आगे कहा, मुझे लगता है कि मैं पिछले साल बहुत ही गहन प्री-सीजन और सीजन के बहुत ही गहन अंत में खेल रहा था और यह शायद पिछले आधे साल में मेरे द्वारा किया गया सबसे कठिन अभ्यास था।

क्रोएशिया के मारिन सिलिच, कनाडा के डेनिस शापोवालोव और मिलोस राओनिक, यूएसए के रीली ओपेल्का और चेक गणराज्य के जिरी वेस्ली के साथ संरक्षित रैंकिंग के आधार पर अपनी जगह बनाकर नडाल 2023 ऑस्ट्रेलियन ओपन भी खेलेंगे।

# हाई कोर्ट एसोसिएशन की तर्ज पर होंगे इंदौर अभिभाषक संघ के चुनाव

**इंदौर।** इंदौर अभिभाषक संघ के वार्षिक चुनाव हाई कोर्ट बार एसोसिएशन के वार्षिक चुनाव की तर्ज पर होंगे। मतदाताओं के लिए मतदान से पहले अभिभाषक संघ के सभी बकाया शुल्क का भुगतान करना अनिवार्य होगा। सिर्फ वे ही सदस्य मतदान में हिस्सा ले सकेंगे जिन्होंने संघ से नो ड्यूस प्राप्त कर लिया है। बकाया शुल्कों के भुगतान के लिए मतदान वाले दिन भी विशेष काउंटर लगाए जाएंगे, ताकि जो सदस्य पात्र होने के बावजूद सिर्फ इसलिए मतदान नहीं कर पा रहे हैं कि उन्होंने संघ के बकाया शुल्क नहीं चुकाए हैं, वे बकाया शुल्क जमा कर मतदान में हिस्सा ले सकें।

राज्य अधिवक्ता परिषद द्वारा गठित विशेष समिति के सहसंयोजक एडवोकेट संजय मेहरा ने बताया कि इंदौर अभिभाषक संघ के वार्षिक चुनाव के लिए तैयार संशोधित मतदाता सूची अभिभाषक संघ के कार्यालय में उपलब्ध करवा दी गई है। संघ के सदस्य 5 जनवरी तक इसका अवलोकन कर दावे और आपत्तियां प्रस्तुत कर सकते हैं। दावे और आपत्तियों का निराकरण करने के बाद अंतिम मतदाता सूची जारी कर दी जाएगी। इसी अंतिम सूची के आधार पर मतदान करवाया जाएगा। अंतिम मतदाता सूची तैयार होते ही मुख्य चुनाव अधिकारी के नाम की घोषणा कर दी जाएगी।

### इसी माह होंगे चुनाव

मेहरा ने बताया कि राज्य अधिवक्ता परिषद ने विशेष समिति का गठन वार्षिक चुनाव संपन्न कराने के लिए किया है। विशेष समिति का प्रयास है कि वार्षिक चुनाव जनवरी के अंत तक अनिवार्य रूप से करवा लिए जाएं। अंतिम सूची का प्रकाशन होने के बाद मुख्य चुनाव अधिकारी के नाम की घोषणा की जाएगी। मुख्य चुनाव अधिकारी ही चुनाव कार्यक्रम घोषित करेंगे। इस बात की पूरी संभावना है कि वार्षिक चुनाव जनवरी माह में ही होंगे। हर बार की तरह इस बार भी मतदान वाले दिन ही देर रात तक परिणाम घोषित कर दिए जाएंगे।

# 5 हजार मस्टरकर्मियों को नियमितीकरण का इंतजार

**इंदौर।** नगर निगम के 5 हजार मस्टरकर्मियों (29 दिवसीय) ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को पत्र लिखकर नियमित या विनियमित करने की मांग की है। उनका कहना है कि जब अन्य मस्टरकर्मियों को इसका लाभ मिल चुका है तो हमें क्यों नहीं पूरे प्रदेश में ऐसे मस्टरकर्मियों की संख्या 46 हजार है।

### मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को पत्र लिखकर की मांग

मुख्यमंत्री को लिखे पत्र में उन्होंने कहा कि इंदौर नगर निगम में विभिन्न कार्यों के लिए दैवेभो के रूप में मस्टरकर्मी काम कर रहे हैं। निगम कर्मचारी परिषद भामसं के अध्यक्ष सुनील बंसल ने बताया कि इनकी संख्या लगभग 5 हजार है। अर्से से ये कर्मचारी विनियमित या नियमित करने की मांग कर रहे हैं। उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान को भी इंदौर में ज्ञापन दिया था, लेकिन आश्वासन देने के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं की। नगरीय प्रशासन मंत्री भूपेंद्रसिंह को भी ज्ञापन दे चुके थे। अबकी बार मुख्यमंत्री डॉ. यादव को पत्र भेजा है। नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय से भी मुलाकात हो चुकी है। 8 हजार में परिवार का भरण-पोषण कैसे करें = पत्र में लिखा है कि 29 दिवसीय मस्टरकर्मियों के वेतन की तीन कैटेगिरी 8, 9 व 10 हजार रुपए है, जिन्हें कटकर करीब 8 हजार रुपए तक मिलते हैं। मात्र 8 हजार रुपए में मस्टरकर्मी अपने परिवार का भरण-पोषण कैसे करें विनियमित या नियमित कर देने की स्थिति में वेतन बढ़ जाएगा तो जीवनयापन बेहतर हो सकेगा। मस्टरकर्मियों का समर्थन करते हुए विधायक रमेश मेंदोला भी मुख्यमंत्री को पत्र लिख चुके हैं, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हो रही है।

# अब चैट बोर्ड पर मिलेगी बिजली खाते की जानकारी

**इंदौर।** पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने लाखों उपभोक्ताओं को वॉट्सएप पर चैट बोर्ड की सुविधा प्रदान की है। प्रबंध निदेशक अमित तोमर ने बताया कि उपभोक्ता बिजली खातों से संबंधित जानकारी चैट बोर्ड से प्राप्त कर सकते हैं। बिजली खातों से संलग्न मोबाइल नंबर पर यह सुविधा मिलेगी। इसके तहत बिजली बिल का संक्षिप्त विवरण, बिजली बिल की रंगीन पीडीएफ और पासबुक दी जा रही है। इसके बाद जल्द ही कपंनी की आईटी टीम चेट बोट सुविधा से सेंट्रलाइज्ड कॉल सेंटर 1912 व ऊर्जस पर अन्य सेवाओं को जोड़ेगी। कंपनी ने 1912 पर बिजली संबंधी शिकायतों की व्यवस्था कर रखी है, लेकिन उपभोक्ताओं को जोन पर शिकायत करने में दिक्कत आ रही है।

### *योजनाओं का लाभ अधिक महिलाओं को दिलाने पर किया सम्मान*

**इंदौर।** विकसित भारत विकास यात्रा के अंतर्गत होने वाले कार्यक्रम में प्रधानमंत्री मोदी की योजनाओं का लाभ अधिक महिलाओं को दिलवाने पर महिला बाल विकास विभाग द्वारा सम्मानित किया गया। इसमें परियोजना 3 सेक्टर मुखर्जी नगर की कार्यकर्ता राजकुमारी गोयल और अन्य को सांसद शंकर ललवानी ने ट्राफी और प्रमाण-पत्र प्रदान किया।

# सीएम बोले- इंदौर से शुरू होगा पायलट प्रोजेक्ट मप्र का नक्शा बदलेगा, जिले व संभागों की सीमाएं फिर तय होंगी

**इंदौर।** मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रदेश में आवश्यकता के अनुसार संभाग और जिलों की सीमाओं के पुर्ननिर्धारण की बात कही है। इसके लिए एक कमेटी बनाई जाएगी, जो इसका अध्ययन कर सरकार को रिपोर्ट देगी। शुरुआत पायलट प्रोजेक्ट के रूप में इंदौर संभाग से की जाएगी। सीएम ने थानों की सीमाओं का पुनर्निर्धारण भी जल्दी करने को कहा है। सीएम ने खरगोन में इंदौर संभाग की समीक्षा बैठक ली, जिसमें प्रशासनिक दृष्टि से जनता की सुविधाओं के हिसाब से संभाग, जिलों की सीमाएं तय करने को कहा। इंदौर संभाग के बड़वानी जिले की सीमा बड़वानी शहर से 4 किमी दूर खत्म हो जाती है। इस सीमा से धार जिले की कुक्षी और निसरपुर तहसील लगी हैं। जिला मुख्यालय 100 किमी से ज्यादा दूर है। कुक्षी और निसरपुर तहसील को बड़वानी में शामिल कर दें तो दोनों की दूरी 10 से 12 किमी रह जाएगी। मंडीदीप की सीमाएं भोपाल से 10 किमी है और मंडीदीप का जिला मुख्यालय रायसेन है। लोगों को- रायसेन के लिए 70 किमी दूर भोपाल आना पड़ता है।

### जल संसाधन मंत्री सिलावट के 10 बार निरीक्षण के बावजूद

# चार वर्ष बाद भी शुरू नहीं हो पाया फूड टेस्टिंग लैब

**इंदौर।** शहर में फूड एंड ड्रग टेस्टिंग लैब कब शुरू होगी, इस बारे में किसी को पता नहीं है, लेकिन वाहवाही लूटने के लिए यहां जनप्रतिनिधि और अधिकारियों द्वारा कई बार निरीक्षण किए जा चुके हैं। बात करें जल संसाधन मंत्री तुलसी सिलावट की तो वह करीब 10 बार इस लैब का निरीक्षण कर चुके हैं और हमेशा जल्द शुरू होने की बात करते रहते हैं, लेकिन इसके बावजूद भी यह शुरू नहीं हो पाई है। इस लैब का भूमिपूजन अक्टूबर 2019 में किया गया था, लेकिन अभी तक इसमें काम ही शुरू नहीं हो पाया है। मंगलवार को फिर मंत्री सिलावट अपनी विधानसभा क्षेत्र के मांगलिया स्थित तलावली चांदा में फूड एंड ड्रग टेस्टिंग लैब के नवनिर्मित भवन का निरीक्षण करने के लिए पहुंचे और हर बार की तरह इस बार भी निर्देश दिए कि इसे जल्द शुरू कर दिया जाए। न उपकरण आए, न किसी की नियुक्ति हुई-हालात यह है कि अभी न तो यहां जांच करने के लिए नियुक्तियां की गई और न ही अभी तक उपकरण यहां आ सके हैं। बता दें कि लैब के निर्माण की जिम्मेदारी मध्य प्रदेश गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल (हाउसिंग बोर्ड) को सौंपी गई है। यह प्रयोगशाला चार मंजिला है।

### कांग्रेस सरकार में हुआ था भूमिपूजन

इस लैब का भूमिपूजन कांग्रेस सरकार के समय शुरू हुआ था। तब मंत्री सिलावट प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री थे। इसके बाद वर्ष 2020 में हुए उपचुनाव के बाद भाजपा की सरकार बनी, लेकिन इस कार्यकाल में लैब शुरू नहीं हो सकी। वर्ष 2023 में भी चुनाव होकर नई सरकार बन गई है, लेकिन यह अब भी अधूरी ही रह गई है। अभी जांच के लिए सैंपलों को भोपाल भेजना पड़ता है, लेकिन वहां से रिपोर्ट आने में महीनों लग जाते हैं।

# रामलला की प्राण प्रतिष्ठा पर हो छुट्टी, कांग्रेस ने मुख्यमंत्री को लिखी चिटठी

**इंदौर।** इस साल के सबसे बड़े आयोजन अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर कांग्रेस ने राजीव गांधी के सपने को पूरा होता बताते हुए प्राण प्रतिष्ठा वाले दिन छुट्टी की मांग मुख्यमंत्री मोहन यादव से की है। कांग्रेस कमेटी के संभागीय प्रवक्ता विवेक खंडेलवाल और गिरीश जोशी ने बताया कि 1986 में पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने ही अयोध्या में राम मंदिर के ताले खुलवा कर प्रतिमा की स्थापना करवाई थी। उसके बाद चली लंबाई कानूनी लड़ाई में सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद रामलला का मंदिर बन रहा है। देश के सनातनी वर्ग में उल्लास का माहौल है। राजीव गांधी का सपना साकार हो रहा है। मध्यप्रदेश में 22 जनवरी को सरकारी छुट्टी दी जाए। शहर अध्यक्ष सुरजीत सिंह चड्ढा ने मुख्यमंत्री को चिट्ठी लिखी है।

प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी जयश्री जैन द्वारा अपनी दुनिया प्रिंटर्स 13, प्रेस कॉम्प्लेक्स ए.बी. रोड इंदौर से मुद्रित एवं 22, प्रेस काम्पलेक्स, प्रेस हाऊस, ए.बी. रोड इंदौर 452008 से प्रकाशित। प्रधान संपादक- डॉ. राजेश जैन, मो. 9425322301 ( डाक पंजीयन MP/IDC/1462/2016-2019 )